भारत सरकार
भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र
कनिष्ठ हिंदी अनुवादक के पद हेतु ग्रेडेल-2 लिखित परीक्षा

समय: 3 घंटे

प्रश्न पत्र-II

पूर्णांक: 100

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है.

प्रश्न: 1 निम्नलिखित दोनों अवतरणों का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए: अंक 25

(क) केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों, विभागों तथा उनसे संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों तथा केंद्र सरकार के स्वामित्व में या नियंत्रणाधीन निगमों, उपक्रमों, बैंकों आदि में सभी सेवाकालीन विभागीय तथा पदोन्नति परीक्षाओं में (अखिल भारतीय स्तर की परीक्षाओं सहित) अभ्यर्थियों को प्रश्न पत्रों के उत्तर हिंदी में भी देने की छूट दी जाए। प्रश्न पत्र अनिवार्यतः दोनों भाषाओं (हिंदी और अंग्रेजी) में तैयार कराए जाएं। जहाँ साक्षात्कार लिया जाना हो, वहाँ भी प्रश्नों के उत्तर हिंदी में देने का विकल्प दिया जाए। सभी प्रकार की वैज्ञानिक/तकनीकी संगोष्ठियों तथा परिचर्चाओं आदि में वैज्ञानिकों आदि को राजभाषा हिंदी में शोध पत्र पढ़ने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाए। उक्त शोध पत्र संबद्ध मंत्रालय/विभाग/कार्यालय आदि के मुख्य विषय से संबंधित होने चाहिएं। 'क' तथा 'ख' क्षेत्रों में सभी प्रकार का प्रशिक्षण, चाहे वह अल्पावधि का हो अथवा दीर्घावधि का, सामान्यतः हिंदी माध्यम से होना चाहिए। 'ग' क्षेत्र में प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षण सामग्री हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार कराई जाए और प्रशिक्षणार्थी की मांग के अनुसार हिंदी या अंग्रेजी में उपलब्ध कराई जाए। अंतर्राष्ट्रीय संधियों और करारों को अनिवार्य रूप से हिंदी और अंगेजी दोनों भाषाओं में तैयार कराया जाए। विदेशों में निष्पादित संधियों और करारों के प्रामाणिक अनुवाद तैयार कराके रिकॉर्ड के लिए फाइल में रखे जाएं। भारत सरकार के मंत्रालयों, कार्यालयों, विभागों, बैंकों, उपक्रमों आदि द्वारा असांविधिक प्रक्रिया साहित्य जैसे नियम, कोड, मैनुअल, मानक फार्म आदि को अनुवाद कराने के लिए केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो को भेजा जाए।

(ख) नगरों तथा शहरों में विभिन्न वाहित मल उपचार संयंत्रों में उत्पादित होने वाला वाहित मल आपंक उच्च संक्रामक वाहित मल आपंक उत्पादित करता है जिससे बीमारियों फैल सकती हैं। तथापि, यह पौधों की बढ़त के लिए उपयोगी कार्बन एवं पोषक तत्वों का एक अच्छा स्रोत भी है। आपंक के स्वच्छीकरण और इसे कृषकों एवं अन्य भूमि संबंधी अनुप्रयोगों के लिए सुरक्षित और उपयोगी उत्पाद बनाने के लिए विकिरण प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा सकता है। परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) से सभी वैधानिक अनुमोदन प्राप्त करने के उपरांत, अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) और भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बीएआरसी) ने समझौता-ज्ञापन के तहत अहमदाबाद में शुष्क वाहित मल आपंक स्वच्छीकरण के लिए 100 टन प्रतिदिन की विकिरणन सुविधा का क्रियान्वयन आरंभ किया है। वर्ष 2017 की अंतिम तिमाही तक इस परियोजना में व्यावसायिक उत्पादन आरंभ होगा। बीएआरसी सभी तकनीकी एवं वैज्ञानिक सहायता प्रदान कर रहा है।

आ र कनिट कैदी अनुवाद के क्षेत-2 डेत र

अमर 3 घंटे

पुङ । नोट सभी प्रकार देना अनिवार्य है। प्रश्न : निम्नलिखित दोनों अबतरण का अंग्रेजीमेंट कीजिए

अंक 23 (क) केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों, दिमाग सरकार के स्वामित्व में या नियंत्रणधीन निगम के अदि में सभी सेवाकालीन जिला

वमा उनसे संबद्ध और अधीनस्थ कलियों के तथा पदोन्नति परीक्षा में अखिल भारतीय दरी सहित) अभ्यर्थियों को पत्र उत्तर हिंदी में भी देने की छूट दी जाए। प्रश्न अनिवार्यतः दोनों भाषाओं (हिंदी और अंग्रेजी में तैयार कराए जाए। जहाँ साक्षात्कार लिया जान, इहाँ भी प्रश्नों के उत्तर हिंदी में देने का विकल्प दिया जाए। सभी प्रकार की वैज्ञानिक/तकनीकी संगोष्ठियों तथा परिचर्चाओं आदि में वैज्ञानिकों आदि

को राजभाषा हिंदी में शोध पत्र पढ़ने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाए। उक्त शोध पत्र संबद्ध | मंत्रालय/विभाग/कार्यालय आदि के मुख्य विषय से संबंधित होने चाहिए। 'क' तथा 'ख' क्षेत्रों में सभी । प्रकार का प्रशिक्षण, चाहे वह अल्पावधि का हो या दीर्घावधि का, सामान्यतः हिंदी माध्यम से होना। चाहिए। ग क्षेत्र में प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षण सामग्री हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार कराई जाए और प्रशिक्षणार्थी की मांग के अनुसार हिंदी या अंग्रेजी में उपलब्ध कराई जाए। अंतर्राष्ट्रीय | संधियों और करारों को अनिवार्य रूप से हिंदी और अंगेजी दोनों भाषाओं में तैयार कराया जाए। विदेशों में निष्पादित संधियों और करारों के प्रामाजिक अनुवाद तैयार कराके रिकॉर्ड के लिए फाइल में । रखे जाएं। भारत सरकार के मंत्रालयों, कार्यालय, विभागों, बैंकों, उपक्रमों आदि द्वारा असांविधिक प्रक्रिया साहित्य जैसे नियम, कोड, मैनुअल, भानक फार्म आदि को अनुवाद कराने के लिए केंद्रीय अनुवाद व्यूरो को भेजा जाए। (ख) नगरों तथा शहरों में विभिन्न वाहित मल उपचार सयंत्रों में उत्पादित होने वाला वाहित मल आर्पक उच्च संक्रामक वाहित मल अपंक उत्पादित करता है जिससे बीमारियों फैल सकती हैं। तथापि, यह पौधों की बढ़त के लिए उपयोगी कार्बन एवं पोषक तत्वों का एक अच्छा स्रोत भी है। आपंक के स्वच्छीकरण और इसे कृषकों वं अन्य भूमि संबंधी अनुप्रयोगों के लिए सुरक्षित और उपयोगी उत्पाद बनाने के लिए विकिरण प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा सकता है। परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) से सभी वैधानिक अनुमोदन प्राप्त करने के उपरांत, अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) और भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बीएआरसी) ने मझौता-ज्ञापन के तहत अहमदाबाद में शुष्क वाहितमल अपंक स्वच्छीकरण के लिए 100 टन प्रतिदिन की रणन सुविधा का क्रियान्वयन आरंभ किया है। 2017 की अंतिम तिमाही तक इस परियोजना में वसायिक उत्पादन आरंभ होगा। बीएआरसी सभी तकनीकी एवं वैज्ञानिक सहायता प्रदान कर रहा है।